

प्रेषक:

डॉ० रंजीत कुमार सिन्हा,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

कुलसचिव,
कुमाऊँ विश्वविद्यालय,
नैनीताल।

शिक्षा अनुभाग-6 (उच्च शिक्षा)

देहरादून: दिनांक: २/ जून, 2016

विषय:- वर्तमान वित्तीय वर्ष 2016-17 के लेखानुदानों के आयोजनेत्तर पक्ष (Non-Plan) के मानक मद संख्या-20 सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष प्रथम किश्त के रूप में धनराशि अवमुक्त किए जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-केयू/लेखा/बजट (Non-Plan)/22 दिनांक 04.05.2016 का कृपया सन्दर्भ ग्रहण करें।

2- इस संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2016-17 के लेखानुदान की वित्तीय स्वीकृति हेतु आयोजनेत्तर पक्ष (Non-Plan) की मानक मद-20 सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता मद में लेखानुदान में प्राविधानित धनराशि रु० 233.33 लाख (रु० दो करोड़ तैंतीस लाख तैंतीस हजार मात्र) की धनराशि के सापेक्ष प्रथम किश्त के रूप में रु० 77.77 लाख (रु० सतहत्तर लाख सतहत्तर हजार मात्र) अवमुक्त किये जाने हेतु वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-490/XXVII(1)/2016 दिनांक 31 मार्च, 2016 में दिए गए दिशा-निर्देशों एवं निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन स्वीकृत करते हुए आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

- (1) उक्त स्वीकृत धनराशि का बिल मुख्य शिक्षा अधिकारी, नैनीताल द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित किया जायेगा।
- (2) स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय वास्तविक व्यय आवश्यकता के आधार ही किया जाएगा, तथा अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में अधिकृत धनराशि से अधिक धनराशि कदापि व्यय नहीं की जायेगी।
- (3) विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी द्वारा उपरोक्त स्वीकृत धनराशि का आहरण तभी किया जायेगा, जबकि गत वित्तीय वर्ष/वर्तमान वित्तीय वर्ष में स्वीकृत धनराशि का नियमानुसार उपभोग कर लिया गया हो।
- (4) व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य निर्देशों/आदेशों के अन्तर्गत शासन अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो उनमें आहरण/व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।

- 2001
- (5) विभिन्न मदों में व्ययभार/देयता सृजित होने पर यथाशीघ्र धनराशि आहरित कर भुगतान की जाएगी एवं कोई भुगतान अनावश्यक लम्बित नहीं रखा जाएगा।
- (6) यह सुनिश्चित किया जाएगा कि (वित्तीय हस्तपुस्तिका खण्ड-5 भाग-1 के पैरा-162) समस्त आहरित अग्रिमों का समायोजन आहरण-वितरण अधिकारियों द्वारा 30 दिनों के अन्दर कर दिया जाय तथा डीटेल्ड कन्टीजेन्ट (डी0सी0) बिल महालेखाकार को भेज दिए जाय।

3- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-22(NP)XXVII(3)/2016 दिनांक 24 मई, 2016 में प्राप्त उनकी सहमति एवं से साफ्टवेयर के माध्यम से निर्गत विशिष्ट एलॉटमेंट आई0डी0 संख्या- (प्रति संलग्न) द्वारा निर्गत किए जा रहे हैं।

4- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चूल् वित्तीय वर्ष 2016-17 की अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2202-सामान्य शिक्षा- 03 विश्वविद्यालय तथा उच्चतर शिक्षा-102-विश्वविद्यालयों को सहायता-आयोजनेत्तर-03-कुमाऊं विश्वविद्यालय के मानक मद-20 सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता मद की सुसंगत इकाई के नामे डाला जायेगा।

संलग्नक: यथोपरि।

भवदीय,

(डॉ० रंजीत कुमार सिन्हा)
अपर सचिव।

पू0सं0: 582(1)/XXIV(6)/2016/12(4)/12 तददिनांक।

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग देहरादून।
2. जिलाधिकारी, नैनीताल।
3. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, लक्ष्मी रोड़, देहरादून।
4. कोषाधिकारी, नैनीताल।
5. मुख्य शिक्षा अधिकारी, नैनीताल।
6. निदेशक, उच्च शिक्षा हलद्वानी।
7. निदेशक, एन0आई0सी0 सचिवालय उत्तराखण्ड।
8. वित्त अनुभाग-3 उत्तराखण्ड शासन।
9. वित्त नियंत्रक, कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल।
10. बजट राजकोषीय, नियोजन एवं संसाधन सचिवालय, देहरादून।
11. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(लक्ष्मण सिंह)
संयुक्त सचिव।